



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जाभर टुड़ाला.....

दिनांक ३.५.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....१८५.....

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से हो रहा पर्यावरण में असंतुलन : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिशों के अनुसार करें कपास की बिजाई : कुलपति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूमी) के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कहा कि पृथ्वी सभी जीवों का पोषण करती है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी विश्व पृथ्वी दिवस वजह से स्थिति पर विश्वविद्यालय दयनीय होती जा रही है। ऐसे में हमें छात्रावास परिसर में पृथ्वी के प्रति अपने कांबोज को पौधरोपण कर्तव्यों को

समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। वे विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में बीरबार को पौधरोपण करने के बाद उपस्थित को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया।

प्रोफेसर बीआर कांबोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। इस वर्ष की थीम पृथ्वी को पुनः स्थापित करना रखा गया है। पृथ्वी को स्वस्थ बहले की तरह बनाने के लिए हम सभी को अपनी धरती को हरा-भरा और बेहतर बनाने का संकल्प लेना पड़ेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से संपर्क में रहेंगे।

इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेबार चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार 28 अप्रैल तक चलने वाले अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक



विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधरोपण करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज एवं अन्य।

ये रहेंगे टीम में शामिल

टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलॉजिस्ट भी शामिल होंगे, जो भिट्टी की जांच आदि की जाकरी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की समावनाएं तलाशेंगे।

सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया पैथोलॉजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

मैट्रिक्युलेशन

दिनांक २५. ५. २०२१... पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... ५-६

हकूमि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

- वैश्वानिकों की इस उपलब्धि के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

हिसार, 23 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। चित्र परिचय 23 हिसार 10: कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के साथ मोड्यूल तैयार करने वाली टीम।

है। मैलिक विश्वान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजबीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह

संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैश्वानिकों के लिए एक तोहफा है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एकिटव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैश्वानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

१०३१ मार्गशीर्ष

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या २ कॉलम ६

एचएयू को ऑनलाइन सांखिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉर्पोरेशंट

जास, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और उपलब्ध विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के विज्ञानियों को ऑनलाइन सांखिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉर्पोरेशंट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांखिकी विभाग के प्रो. ओपी श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टॉक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉर्पोरेशंट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉर्पोरेशंट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व विज्ञानियों के लिए एक तोहफा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

जौनाकजागरण.....

दिनांक २५.४.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....।.....

'पुस्तके इंसान की सच्ची मार्गदर्शक'

जागरण संवाददाता, हिसार :
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में
विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर
प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर
बीआर काम्बोज बताएँ मुख्यातिथि
रहे उन्होंने कहा कि पुस्तके इंसान
की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए
ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी
है। पुस्तकों में जीवन का सार होता
है। अगर कोई इंसान किताबों को
ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले
तो इसमें जीवन की हर समस्या का
समाधान मौजूद होता है। उन्होंने
इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर
बलवान सिंह से कहा कि इस
प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से
ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की
लिखित पुस्तकों को समय-समय पर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज्ञानालय
दिनांक २५.५.२२। पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....५८४

सतर्कता

एचएयू में आमजन का प्रवेश बंद, आईकार्ड के साथ जा सकेंगे कर्मी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आम लोगों का प्रवेश बंद कर दिया है।

केवल विवि के कर्मचारी, विद्यार्थी और कैपस के निवासी ही बालसंबंद रोड पर स्थित गेट नंबर १ के बाहर एक से आवागमन कर सकेंगे और इसके लिए गेट पर उनके पास आई कार्ड या बाहन पर गेट पास का लगा होना अनिवार्य होगा। हालांकि इन लोगों के लिए गेट नंबर २ और ४ भी सीमित समय के लिए खुला रखा जाएगा जिसका समय सुबह साढ़े ८ से साढ़े ९ बजे और शाम को साढ़े ४ बजे से साढ़े ५ बजे तक रखा गया है। सरकारी बाहनों का प्रवेश गेट नंबर ३ से होगा।



एचएयू में सेनिटाइजेशन अभियान के तहत भवन को सैनिटाइज करता कर्मचारी।

जहां कोरोना पॉजिटिव
मिले, तुरंत सैनिटाइज
हो कार्यालय

विवि के कूलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाए। विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैपस अस्ताल के डॉक्टरों की टीम लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखेंगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनिटाइज भी करवाया जाएगा।

लाइब्रेरी और हॉस्टल बंद

विवि प्रशासन ने लाइब्रेरी, हॉस्टल, फैकल्टी हाउस, फैकल्टी बलब, किसान आश्रम में ठहरने को लेकर भी आगामी आदेशों तक पार्वदिवां लगा दी है। हालांकि जरूरत पड़ने पर सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए सीमित क्षमता के साथ ठहराव हो सकता है। फैकल्टी हाउस में छाने की सर्विस को बंद कर दिया गया है। हालांकि पूरे कैविड प्रोटोकॉल के साथ कमरे में डाइनिंग सर्विस दी जा सकती है।

“
सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सल्ली बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यवितरणों के अनावश्यक आवागमन पर भी पांचदी लगाने के लिए निर्देश दिए हैं। वहीं, विवि कैपस को सैनिटाइज करवाया जा रहा है। मैं विवि परिवार के लोगों, किसानों व आमजन से आल्हान करता हूँ कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी मापदंड, सामाजिक दूरी, सैनिटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।
- प्रो. बीआर कंबोज, कूलपति, एचएयू हिसार।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....निक्षेप.....

दिनांक २५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....।-२.....

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी



पुस्तकों का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौफेसर वी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौफेसर वी.आर. काम्बोज वर्तमान मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकों के इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। उन्होंने इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष प्रौफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले और आगे बढ़े। उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एकट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। इस दिवस की शुरूआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रौफेसर बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हितायतों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

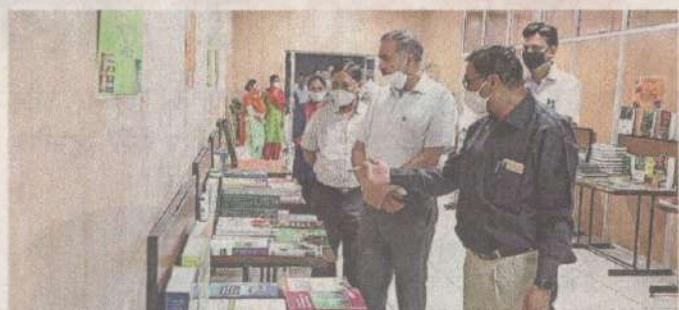
समाचार पत्र का नाम.....
भैनि कृषक
दिनांक .२५.६.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....६-८.....

प्रो. काम्बोज ने कहा-पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भारकर न्यूज़ | हिसार

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। वीसी ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है।

उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर



पुस्तकों का अवलोकन करते विवि के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में जानकारी

दी। कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतों का पालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनिक मासिक.....

दिनांक २५.६.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....५८.....

एचएयू को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड़यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और बड़ी उपलब्धि एचएयू के नाम जुड़ गई है, इसमें एचएयू के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड़यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड़यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विवि को इन मोड़यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों

वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड़यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि एचएयू के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विवि का नाम रोशन हो रह है और भविष्य में भी टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

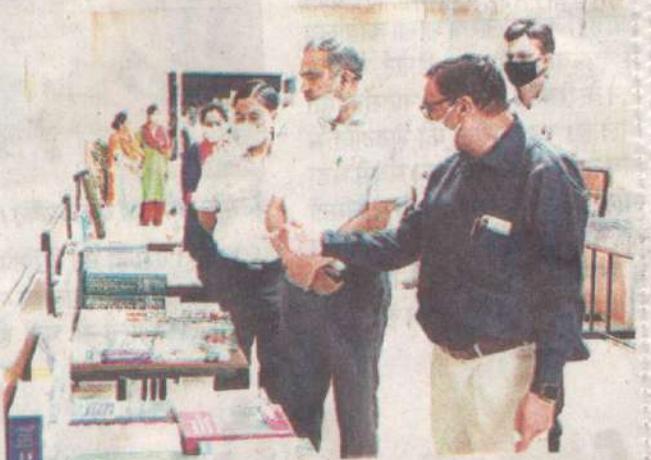
समाचार पत्र का नाम.....प्रशासनिक संस्कारी

दिनांक .२५.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....६-८.....

‘विश्व पुस्तक दिवस पर एच.ए.यू. की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन’

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस):
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है।

उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एक्ट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन



पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

—प्रश्नोत्तरी—

दिनांक २५-५-२०२१ पृष्ठ संख्या ३ कॉलम ५-८

‘हक्की को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड़यूल के लिए मिले 4 कॉपीराइट’

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड़यूल के लिए एक साथ 4 कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड़यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विश्वविद्यालय को इन मोड़यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित: गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड़यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एम.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड़यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज के साथ मोड़यूल तैयार करने वाली टीम।

कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।

कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड़यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड़यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक: मोड़यूल तैयार करने वाली टीम के इचार्ज ने बताया कि इन मोड़यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किंही 2 औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड़यूल की सहायता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।

इनमें से एक मोड़यूल बहुत अधिक किस्मों का एकसाथ तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होगा। सस्य विज्ञान एवं पशु विज्ञान के अनुसंधानों का सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध होंगे। गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड़यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड़यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग ये नियमित में अनुमति लेनी पड़ती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अञ्जना

दिनांक २५.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....३-४.....

एचएयू-लुवास में अब रोस्टर आधार पर 50 प्रतिशत कर्मचारी आएंगे

माई सिटी रिपोर्टर

विवि के पीजी और पीएचडी के सभी विद्यार्थियों
को भी घर भेजा, हॉस्टल खाली करवाए

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और लाला लाजपत राय पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों को लेकर चिंता बढ़ गई है। ऐसे में दोनों विश्वविद्यालयों में अब सी और डी मूप के कर्मचारी रोस्टर आधार पर विश्वविद्यालय आएंगे।

विवि प्रशासन के अनुसार, अकेले लुवास में ही हर रोज 3-4 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। यही हाल एचएयू का भी है। ऐसे में विवि प्रशासन ने कर्मचारियों को रोस्टर आधार पर बुलाना शुरू किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को विवि में होने वाली सभी तरह की विभागीय परीक्षाएं भी स्थगित कर दी हैं। लुवास ने विश्वविद्यालय में पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों से भी हॉस्टल खाली

“कोरोना चेन को तोड़ना जरूरी है। सभी से अपील है कि सभी हर समय फेस मास्क का प्रयोग करें। नाक और मुँह दोनों को मास्क से ठीक से ढककर रखें। भीड़ से बचें और एक-दूसरे के बीच कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखें। बार-बार हाथ धोएं और सैनिटाइजर का प्रयोग करें।

-डॉ. गुरदियाल सिंह, कुलपति, लुवास।

करवा लिए हैं। शुक्रवार को इन विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर दी गईं। ये विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाएं लगाएंगे। इससे पहले विवि प्रशासन ने स्नातक व डिप्लोमा कोर्स के विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी थीं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पैनि क अस्टक्ट

दिनांक .25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....५.७.....

कोरोना से बचाव को सावधानी जरूरी: वीसी

भारकर न्यूज़ | हिसार

अभियान चला एचएयू कैपस को भी कराया सेनेटाइज

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने



को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों व अधिकारियों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

~~भौतिक स्वावरा~~

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५. ६. २०२१... पृष्ठ संख्या..... ३..... कॉलम..... ७-८.....

हकृति कुलपति ने कोरोना संक्रमण पर अधिकारियों को किया आगाह



प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार, 24 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डाक्टरों की टीम

किसानों से भी की मार्मिक अपील

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा हैं और यह विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व आमजन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मास्क, सामाजिक दूरी, सैनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

विश्वविद्यालय में चलाया सैनेटाइजेशन अभियान

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कालेजों व कार्यालयों में सैनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से भी सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए।

को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही विश्वविद्यालय के बाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ख्रौनी कृषि जागरण.....

दिनांक .२५.६.२०२१...पृष्ठ संख्या.....।.....कॉलम.....२.....

संक्रमण से बचाव के लिए नियमों का करें पालन

जागरण संबाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू के कुलपति डा. बीआर कांबोज ने विवि अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रांतीक सभी.....

दिनांक २५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....३-४

‘हक्कि में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी’

हिसार, 24 अप्रैल (पक्षेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी लगा दी है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सख्ती बरतने के निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति ने कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी

केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशानिर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाए। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....तुम्हारा उत्तमा ला

दिनांक २५.५.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-२.....

कृषि विदेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

कपास के बढ़िया फुटाव के लिए सही ढंग से करें पूरे खेत की तैयारी

कपास की बिजाई इस माह के अंत तक पूरी कर लें। नरमा की उन्नत किस्में और देसी कपास की सिफारिशशुदा किस्में ही बोएं। कपास से बढ़िया फुटाव के लिए पूरे खेत की तैयारी सही ढंग से करनी जरूरी है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। इसके बाद आवश्यकतानुसार 3-4 जुताई करें। बिजाई के समय खेत में तर बत्तर (गीली आल) का होना जरूरी है। इसके लिए खेत में अच्छा पलेवा करें। गीले बत्तर में दो जुताई करके सुहागा लगाएं व खेत को एकसार कर लें। खेत में पौधों की सही संख्या के लिए बीज की सही मात्रा प्रयोग में लाएं व बीज उपचार करके ही बिजाई करें। नरमें का रोयें रहित 6-8 किलो व रोएं युक्त 8-10 किलो बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। देसी कपास में 5 किलो बीज काफी रहता है। संकर किस्मों का रोएं उत्तरा बीज 1.2 से 1.5 किलो प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीटी संकर किस्मों का 850 ग्राम बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीज को 4 से 5 सेंटीमीटर गहरा बोएं।

नरमा की मुख्य किस्में एचप्स 6, एच 1117 व एच 1226, एच 1098 संशोधित, एच 1236, एच 1300,



डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।



नरमा की संकर किस्में एचएचएच 223 व एचडी 432 तथा संकर नरमा में देसी की एएच वन प्रमुख हैं। बीटी व संकर किस्मों को 67.5-60 सेंटीमीटर के फासले पर बीजें या कतार से कतार की दूरी 100 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर रखें व अन्य किस्मों में कतार कतार से कतार की दूरी 67.5 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। बीजने के लिए यदि रोएं उतारे हुए बीज न मिलें तो रोएदार (साधारण) बीज को बोने से पहले बारीक मिट्टी, गोबर या राख से रगड़ लेना चाहिए, ताकि डिल में से बीज एकसार निकलें। बिजाई कपास बीजने वाली एक खूड़ वाली डिल से कतारों में करें।

(संदीप बिश्नोई, हिसार)



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....उत्तर उत्तराला.....

दिनांक २५.६.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....७-८.....

बीज उत्पादन पर महामारी का प्रकोप, उत्पादन और किसान की आय घटेगी



माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कोरोना महामारी का दुष्प्रभाव कृषि अर्थव्यवस्था के बीज उत्पादन क्षेत्र पर भी पड़ा है। एक वर्ष से लगातार चल रहे कोरोना संकट के बीच श्रमिकों की कमी के कारण फसलों में रोगिंग प्रक्रिया बुरी तरह से प्रभावित हुई। रोगिंग बीज उत्पादन के दौरान अनुवांशिक शुद्धता को कायाम रखने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें दूसरी किस्मों के पौधों, बीमारी वाले पौधों व खरपतवार के पौधों को खेत से निकाला जाता है। यह कार्य फसल की प्रारंभिक अवस्था से फसल पकने तक चरणबद्ध तरीके से किया जाता है। मगर पिछले एक वर्ष से कोरोना संकट के बीच श्रमिक नहीं मिल पाने के कारण अच्छे बीज के उत्पादन में कमी आई है, जिस कारण फसलों का उत्पादन और किसानों की आय घटेगी।

इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने हरियाणा खेती में एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कोरोना की वजह से बीज उत्पादक समग्री और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होने की वजह से बीज की कीमतों में भी बढ़ोतरी होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीज प्रमाणीकरण संस्था व बीज उत्पादन संस्थाएं समय-समय पर अपने अनुबंधित बीज उत्पादक किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन करती हैं। मगर

एचएयू ने खेती में जारी की रिपोर्ट हरियाणा में रोगिंग प्रक्रिया कम होना है इसकी मुख्य वजह

कोरोना महामारी के चलते इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को या तो स्थगित करना पड़ा या बंद करना पड़ा। जिससे बीज की गुणवत्ता में कमी आएगी।

उन्नत बीज से 10-20 प्रतिशत बढ़ती है पैदावार

रिपोर्ट के अनुसार, श्रमिकों के उपलब्ध न होने से केवल रोगिंग प्रक्रिया ही प्रभावित नहीं हुई, बल्कि बीज उत्पादन की अन्य क्रियाओं जैसे-सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, उर्वरक प्रबंधन, पौध संरक्षण, कटाई एवं कढ़ाई आदि में देरी हुई है, जिसके परिणामस्वरूप बीज उत्पादन और बीज गुणवत्ता दोनों में कमी आएगी।

वैज्ञानिकों ने कहा है कि कृषि शोध द्वारा यह प्रमाणित है कि केवल साधारण बीज के मुकाबले उन्नत बीज का प्रयोग करने से लगभग 10-20 प्रतिशत तक पैदावार बढ़ाई जा सकती है। अब उन्नत बीज उपलब्ध नहीं होने की वजह से कुल उत्पादन में कमी आएगी और किसानों की आय घटेगी, क्योंकि बीज सीधे तौर पर कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ा है।

ये रिपोर्ट महामारी की वजह से खेती पर पड़ने वाले असर को परिभ्रष्ट करती है। रिपोर्ट को लेकर कृषि सेक्टर की विकास दर पर भी असर पड़ेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बंधु	25.04.2021	--	--

रविवार 25 अप्रैल 2021 3

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

हिसार(एस.जी.ए)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चौ.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैधिक महामारी से संबंधित व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देश की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बहाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतत रहें हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति महोदय कोरोना माहामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व जाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें।

उन्होंने छत्र काल्याण निर्देशक डॉ. देवेंद्र सिंह दीहा को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर किश्वविद्यालय के केंपस अस्पताल के ट्रॉक्टरों की दीप को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहे ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित छत्र को



समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निर्देशकों व अधिकारीहों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व शास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना माहामारी के लापरवाही न बढ़ते। साथ ही विश्वविद्यालय के जाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रोफेसर चौ.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह होरायणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा है और वह

विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व अमज्जन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा शास्क, सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने बताया कि इसी कही में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व जाहरीलयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के मुख्य विभाग के अधिकारियों से भी संबंधी बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में जाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पांचवटी लगाने के लिए निर्देश दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	25.04.2021	--	--

पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन: कुलपति

■ विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। यहाँ के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज मुख्य अधिक्षित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए इनका ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दैरान

पुस्तकालयाभ्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को सम्पादन-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली शिक्षकों ने इनसे प्रेरणा ले और आने वाले इस दिवस की शुरुआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दैरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्ञान से ज्ञान इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	24.04.2021	--	--

सावधानी व नियमों की पालना ही महामारी का एकमात्र बचाव : कुलपति

हिसार/24 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व

बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल

के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोग कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में सैनेटाइजेशन अभियान भी चलाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	24.04.2021	--	--

‘हकूमि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्वेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉर्पोरेशन्ट

■ वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रोफेसर श्री आर. कांबोज ने दी बधाई

सच कहूँ/संकीर्तन सिंहमार

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयत्न एक बार फिर रंग लाए हैं। इस बार एक और उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्वेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉर्पोरेशन्ट मिले हैं। मौलिक विज्ञन एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि वे मोड्यूल गणित एवं



सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर जोधी प्रसाद राय, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. यंजू सिंह टोंक, डॉ. रम्पनवास, डॉ. सरिता रामी द्वारा देयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉर्पोरेशन्ट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉर्पोरेशन्ट दिवस के अवसर पर वह संसार के

कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. यंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल को कोईडंग में कोई अपने

अन्तर इन मोड्यूल का कोई बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात: कांबोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री आर. कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि वह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गूर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयत्नरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार टीम आवाना से काम करते रहने का आह्वान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैला हिसार न्यूज	25.04.2021	--	--

हकृति को ऑनलाइन सांरित्यकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉर्पोरेश्न, कुलपति ने दी वैज्ञानिकों को बधाई

हैला हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है।

इस बार एक ओर उपलब्ध विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांखिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉर्पोरेश्न मिले हैं।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांखिकी विभाग के प्रोफेसर



ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एकिटव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉर्पोरेश्न दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर है आधारित गणित एवं सांखिकी विभाग के

प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एकिटव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। बर्तमान

समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक

मोड्यूल देखर करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किन्हों दो औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल को सहायकता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जाभर टुड़ाला.....

दिनांक ३.५.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....१८५.....

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से हो रहा पर्यावरण में असंतुलन : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिशों के अनुसार करें कपास की बिजाई : कुलपति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूमी) के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कहा कि पृथ्वी सभी जीवों का पोषण करती है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी विश्व पृथ्वी दिवस वजह से स्थिति पर विश्वविद्यालय

के किसान छात्रावास परिसर में किया पौधरोपण को

समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। वे विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में बीरबार को पौधरोपण करने के बाद उपस्थित को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया।

प्रोफेसर बीआर कांबोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। इस वर्ष की थीम पृथ्वी को पुनः स्थापित करना रखा गया है। पृथ्वी को स्वस्थ बहले की तरह बनाने के लिए हम सभी को अपनी धरती को हरा-भरा और बेहतर बनाने का संकल्प लेना पड़ेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हिसार। कपास की बिजाई किसान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार करें, ताकि उनको अपनी फसल की अच्छी ऐदावार मिले और अधिक मुनाफा हो। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूमी) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बीरबार को जारी बयान में कही।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से संपर्क में रहेंगे।

इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार 28 अप्रैल तक चलने वाले अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक



विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधरोपण करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज एवं अन्य।

ये रहेंगे टीम में शामिल

टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलॉजिस्ट भी शामिल होंगे, जो भिट्टी की जांच आदि की जाकरी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की समावनाएं तलाशेंगे।

सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया पैथोलॉजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

मैट्रिक्युलेशन

दिनांक २५. ५. २०२१... पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... ५-६

हकूमि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

- वैश्वानिकों की इस उपलब्धि के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

हिसार, 23 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैश्वानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। चित्र परिचय 23 हिसार 10: कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के साथ मोड्यूल तैयार करने वाली टीम।

है। मैलिक विश्वान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजबीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह

संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैश्वानिकों के लिए एक तोहफा है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एकिटव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैश्वानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

१०३१ मार्गशीर्ष

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या २ कॉलम ६

एचएयू को ऑनलाइन सांखिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉर्पोरेशंट

जास, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और उपलब्ध विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के विज्ञानियों को ऑनलाइन सांखिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉर्पोरेशंट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांखिकी विभाग के प्रो. ओपी श्योराण, डा. विनय कुमार और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टॉक, डा. रामनिवास, डा. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉर्पोरेशंट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉर्पोरेशंट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व विज्ञानियों के लिए एक तोहफा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

जौनाकजागरण.....

दिनांक २५.४.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....।.....

'पुस्तके इंसान की सच्ची मार्गदर्शक'

जागरण संवाददाता, हिसार :
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में
विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर
प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर
बीआर काम्बोज बताएँ मुख्यातिथि
रहे उन्होंने कहा कि पुस्तके इंसान
की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए
ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी
है। पुस्तकों में जीवन का सार होता
है। अगर कोई इंसान किताबों को
ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले
तो इसमें जीवन की हर समस्या का
समाधान मौजूद होता है। उन्होंने
इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर
बलवान सिंह से कहा कि इस
प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से
ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की
लिखित पुस्तकों को समय-समय पर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज्ञानालय
दिनांक २५.५.२२। पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....५८४

सतर्कता

कोरोना पॉजिटिव मिलने पर विवि के कर्मचारियों या परिजनों के संपर्क में रहेंगे विवि कैपस के विकित्सक

एचएयू में आमजन का प्रवेश बंद, आईकार्ड के साथ जा सकेंगे कर्मी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आम लोगों का प्रवेश बंद कर दिया है।

केवल विवि के कर्मचारी, विद्यार्थी और कैपस के निवासी ही बालसंबंद रोड पर स्थित गेट नंबर ११ के बाहर एक से आवागमन कर सकेंगे और इसके लिए गेट पर उनके पास आई कार्ड या बाहन पर गेट पास का लगा होना अनिवार्य होगा। हालांकि इन लोगों के लिए गेट नंबर २ और ४ भी सीमित समय के लिए खुला रखा जाएगा जिसका समय सुबह साढ़े ८ से साढ़े ९ बजे और शाम को साढ़े ४ बजे से साढ़े ५ बजे तक रखा गया है। सरकारी बाहनों का प्रवेश गेट नंबर ३ से होगा।



एचएयू में सैनिटाइजेशन अभियान के तहत भवन को सैनिटाइज करता कर्मचारी।

जहां कोरोना पॉजिटिव
मिले, तुरंत सैनिटाइज
हो कार्यालय

लाइब्रेरी और हॉस्टल बंद

विवि प्रशासन ने लाइब्रेरी, हॉस्टलों, फैकल्टी हाउस, फैकल्टी बलब, किसान आश्रम में ठहरने को लेकर भी आगामी आदेशों तक पार्वदिवां लगा दी है। हालांकि जरूरत पड़ने पर सामाजिक दूरी को ध्यान में रखते हुए सीमित क्षमता के साथ ठहराव हो सकता है। फैकल्टी हाउस में छाने की सर्विस को बंद कर दिया गया है। हालांकि पूरे कैविड प्रोटोकॉल के साथ कमरे में डाइनिंग सर्विस दी जा सकती है।

“
सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यवितरणों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए हैं। वहीं, विवि कैपस को सैनिटाइज करवाया जा रहा है। मैं विवि परिवार के लोगों, किसानों व आमजन से आल्हान करता हूँ कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी मापदंड, सामाजिक दूरी, सैनिटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।
- प्रो. बीआर कंबोज, कूलपति, एचएयू हिसार।

विवि के कूलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाए। विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैपस अस्तात के डॉक्टरों की टीम लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखेंगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनिटाइज भी करवाया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....निक्षेप.....

दिनांक २५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....।-२.....

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी



पुस्तकों का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौफेसर वी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौफेसर वी.आर. काम्बोज वर्तमान मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकों के इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। उन्होंने इस दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष प्रौफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले और आगे बढ़े। उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एकट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। इस दिवस की शुरूआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रौफेसर बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हितायतों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

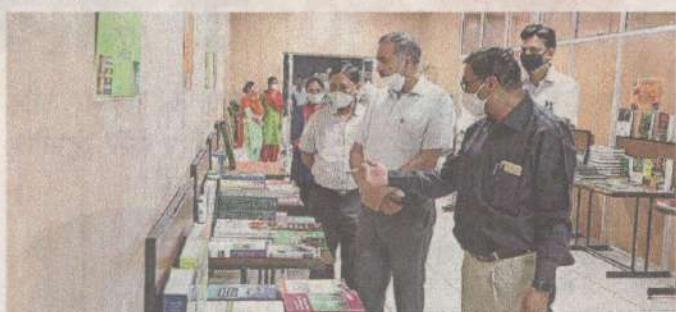
समाचार पत्र का नाम.....
भैनि कृषक
दिनांक .२५.६.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....६-८.....

प्रो. काम्बोज ने कहा-पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भारकर न्यूज़ | हिसार

एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। वीसी ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है।

उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को समय-समय पर प्रदर्शित करें। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर



पुस्तकों का अवलोकन करते विवि के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और इस प्रदर्शनी के बारे में जानकारी

दी। कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतों का पालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनिक मासिक.....

दिनांक २५.६.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....५८.....

एचएयू को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड़यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रयास एक बार फिर रंग लाई है। इस बार एक और बड़ी उपलब्धि एचएयू के नाम जुड़ गई है, इसमें एचएयू के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड़यूल के लिए एक साथ चार कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड़यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विवि को इन मोड़यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों

वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड़यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि एचएयू के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विवि का नाम रोशन हो रह है और भविष्य में भी टीम भावना से काम करते रहने का आह्वान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

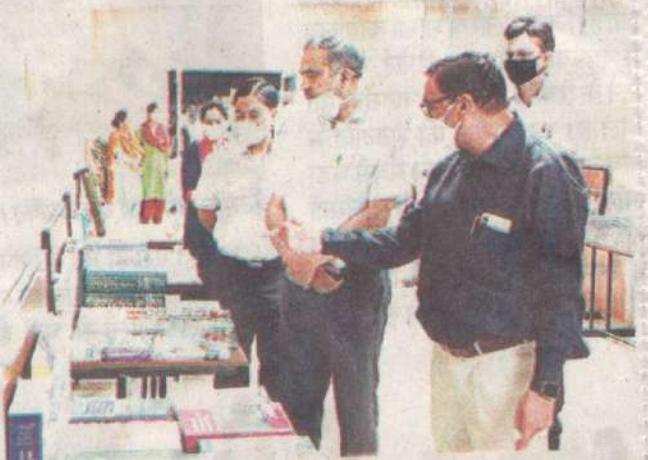
समाचार पत्र का नाम.....प्रशासनिक संस्कारी

दिनांक .२५.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....६-८.....

‘विश्व पुस्तक दिवस पर एच.ए.यू. की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन’

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस):
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है।

उन्होंने पुस्तक लिखने से पहले कॉपीराइट एक्ट का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के आयोजन



पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कॉपीराइट को बढ़ावा देना है। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

—प्रश्नोत्तरी—

दिनांक २५-५-२०२१ पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....५-८.....

‘हक्की को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड़यूल के लिए मिले 4 कॉपीराइट’

हिसार, 23 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड़यूल के लिए एक साथ 4 कॉपीराइट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड़यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. सरिता रानी के द्वारा तैयार किए गए हैं।

विश्वविद्यालय को इन मोड़यूल के लिए कॉपीराइट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित: गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड़यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एम.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड़यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज के साथ मोड़यूल तैयार करने वाली टीम।

कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।

कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड़यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड़यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक: मोड़यूल तैयार करने वाली टीम के इचार्ज ने बताया कि इन मोड़यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किंही 2 औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड़यूल की सहायता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।

इनमें से एक मोड़यूल बहुत अधिक किस्मों का एकसाथ तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होगा। सस्य विज्ञान एवं पशु विज्ञान के अनुसंधानों का सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध होंगे। गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड़यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड़यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग ये नियमित में अनुमति लेनी पड़ती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अञ्जना

दिनांक २५.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....३-४.....

एचएयू-लुवास में अब रोस्टर आधार पर 50 प्रतिशत कर्मचारी आएंगे

माई सिटी रिपोर्टर

विवि के पीजी और पीएचडी के सभी विद्यार्थियों
को भी घर भेजा, हॉस्टल खाली करवाए

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और लाला लाजपत राय पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों को लेकर चिंता बढ़ गई है। ऐसे में दोनों विश्वविद्यालयों में अब सी और डी मूप के कर्मचारी रोस्टर आधार पर विश्वविद्यालय आएंगे।

विवि प्रशासन के अनुसार, अकेले लुवास में ही हर रोज 3-4 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। यही हाल एचएयू का भी है। ऐसे में विवि प्रशासन ने कर्मचारियों को रोस्टर आधार पर बुलाना शुरू किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को विवि में होने वाली सभी तरह की विभागीय परीक्षाएं भी स्थगित कर दी हैं। लुवास ने विश्वविद्यालय में पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों से भी हॉस्टल खाली

“कोरोना चेन को तोड़ना जरूरी है। सभी से अपील है कि सभी हर समय फेस मास्क का प्रयोग करें। नाक और मुँह दोनों को मास्क से ठीक से ढककर रखें। भीड़ से बचें और एक-दूसरे के बीच कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखें। बार-बार हाथ धोएं और सैनिटाइजर का प्रयोग करें।

-डॉ. गुरदियाल सिंह, कुलपति, लुवास।

करवा लिए हैं। शुक्रवार को इन विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर दी गईं। ये विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाएं लगाएंगे। इससे पहले विवि प्रशासन ने स्नातक व डिप्लोमा कोर्स के विद्यार्थियों की ऑफलाइन कक्षाएं भी स्थगित कर ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी थीं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पैनि क अस्टक्ट

दिनांक .25.4.2021...पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....५.७.....

कोरोना से बचाव को सावधानी जरूरी: वीसी

भारकर न्यूज़ | हिसार

अभियान चला एचएयू कैपस को भी कराया सेनेटाइज

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने



को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों व अधिकारियों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

~~भौतिक स्वावरा~~

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५. ६. २०२१... पृष्ठ संख्या..... ३..... कॉलम..... ७-८.....

हकृति कुलपति ने कोरोना संक्रमण पर अधिकारियों को किया आगाह



प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार, 24 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डाक्टरों की टीम

किसानों से भी की मार्मिक अपील

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा हैं और यह विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व आमजन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मास्क, सामाजिक दूरी, सैनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

विश्वविद्यालय में चलाया सैनेटाइजेशन अभियान

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कालेजों व कार्यालयों में सैनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से भी सख्ती बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पाबंदी लगाने के लिए निर्देश दिए।

को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही विश्वविद्यालय के बाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ख्रीनी कृषि जागरण.....

दिनांक .२५.६.२०२१...पृष्ठ संख्या.....।.....कॉलम.....२.....

संक्रमण से बचाव के लिए नियमों का करें पालन

जागरण संबाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू के कुलपति डा. बीआर कांबोज ने विवि अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रांतीक सभी.....

दिनांक २५.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....३-४

‘हक्कि में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी’

हिसार, 24 अप्रैल (पक्षेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर पाबंदी लगा दी है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से सख्ती बरतने के निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति ने कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व बाहरी

केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशानिर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनिटाइज करवाए। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व कार्यालयों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....तुम्हारा उत्तमा ला

दिनांक २५.५.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-२.....

कृषि विदेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

कपास के बढ़िया फुटाव के लिए सही ढंग से करें पूरे खेत की तैयारी

कपास की बिजाई इस माह के अंत तक पूरी कर लें। नरमा की उन्नत किस्में और देसी कपास की सिफारिशशुदा किस्में ही बोएं। कपास से बढ़िया फुटाव के लिए पूरे खेत की तैयारी सही ढंग से करनी जरूरी है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। इसके बाद आवश्यकतानुसार 3-4 जुताई करें। बिजाई के समय खेत में तर बत्तर (गीली आल) का होना जरूरी है। इसके लिए खेत में अच्छा पलेवा करें। गीले बत्तर में दो जुताई करके सुहागा लगाएं व खेत को एकसार कर लें। खेत में पौधों की सही संख्या के लिए बीज की सही मात्रा प्रयोग में लाएं व बीज उपचार करके ही बिजाई करें। नरमें का रोयें रहित 6-8 किलो व रोएं युक्त 8-10 किलो बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। देसी कपास में 5 किलो बीज काफी रहता है। संकर किस्मों का रोएं उत्तरा बीज 1.2 से 1.5 किलो प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीटी संकर किस्मों का 850 ग्राम बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें। बीज को 4 से 5 सेंटीमीटर गहरा बोएं।

नरमा की मुख्य किस्में एचप्स 6, एच 1117 व एच 1226, एच 1098 संशोधित, एच 1236, एच 1300,



डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।



नरमा की संकर किस्में एचएचएच 223 व एचडी 432 तथा संकर नरमा में देसी की एएच वन प्रमुख हैं। बीटी व संकर किस्मों को 67.5-60 सेंटीमीटर के फासले पर बीजें या कतार से कतार की दूरी 100 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर रखें व अन्य किस्मों में कतार कतार से कतार की दूरी 67.5 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। बीजने के लिए यदि रोएं उतारे हुए बीज न मिलें तो रोएदार (साधारण) बीज को बोने से पहले बारीक मिट्टी, गोबर या राख से रगड़ लेना चाहिए, ताकि डिल में से बीज एकसार निकलें। बिजाई कपास बीजने वाली एक खूड़ वाली डिल से कतारों में करें।

(संदीप बिश्नोई, हिसार)



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....उत्तर उत्तराला.....

दिनांक २५.६.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....७-८.....

बीज उत्पादन पर महामारी का प्रकोप, उत्पादन और किसान की आय घटेगी



माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कोरोना महामारी का दुष्प्रभाव कृषि अर्थव्यवस्था के बीज उत्पादन क्षेत्र पर भी पड़ा है। एक वर्ष से लगातार चल रहे कोरोना संकट के बीच श्रमिकों की कमी के कारण फसलों में रोगिंग प्रक्रिया बुरी तरह से प्रभावित हुई। रोगिंग बीज उत्पादन के दौरान अनुवांशिक शुद्धता को कायाम रखने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें दूसरी किस्मों के पौधों, बीमारी वाले पौधों व खरपतवार के पौधों को खेत से निकाला जाता है। यह कार्य फसल की प्रारंभिक अवस्था से फसल पकने तक चरणबद्ध तरीके से किया जाता है। मगर पिछले एक वर्ष से कोरोना संकट के बीच श्रमिक नहीं मिल पाने के कारण अच्छे बीज के उत्पादन में कमी आई है, जिस कारण फसलों का उत्पादन और किसानों की आय घटेगी।

इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने हरियाणा खेती में एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में कोरोना की वजह से बीज उत्पादक समग्री और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होने की वजह से बीज की कीमतों में भी बढ़ोतरी होने की आशंका जताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीज प्रमाणीकरण संस्था व बीज उत्पादन संस्थाएं समय-समय पर अपने अनुबंधित बीज उत्पादक किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन करती हैं। मगर

एचएयू ने खेती में जारी की रिपोर्ट हरियाणा में रोगिंग प्रक्रिया कम होना है इसकी मुख्य वजह

कोरोना महामारी के चलते इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को या तो स्थगित करना पड़ा या बंद करना पड़ा। जिससे बीज की गुणवत्ता में कमी आएगी।

उन्नत बीज से 10-20 प्रतिशत बढ़ती है पैदावार

रिपोर्ट के अनुसार, श्रमिकों के उपलब्ध न होने से केवल रोगिंग प्रक्रिया ही प्रभावित नहीं हुई, बल्कि बीज उत्पादन की अन्य क्रियाओं जैसे-सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, उर्वरक प्रबंधन, पौध संरक्षण, कटाई एवं कढ़ाई आदि में देरी हुई है, जिसके परिणामस्वरूप बीज उत्पादन और बीज गुणवत्ता दोनों में कमी आएगी।

वैज्ञानिकों ने कहा है कि कृषि शोध द्वारा यह प्रमाणित है कि केवल साधारण बीज के मुकाबले उन्नत बीज का प्रयोग करने से लगभग 10-20 प्रतिशत तक पैदावार बढ़ाई जा सकती है। अब उन्नत बीज उपलब्ध नहीं होने की वजह से कुल उत्पादन में कमी आएगी और किसानों की आय घटेगी, क्योंकि बीज सीधे तौर पर कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ा है।

ये रिपोर्ट महामारी की वजह से खेती पर पड़ने वाले असर को परिभ्रष्ट करती है। रिपोर्ट को लेकर कृषि सेक्टर की विकास दर पर भी असर पड़ेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बंधु	25.04.2021	--	--

रविवार 25 अप्रैल 2021 3

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

हिसार(एस.जी.ए)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चौ.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैधिक महामारी से संबंधित व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देश की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बहाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतत रहें हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

कुलपति महोदय कोरोना माहामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व जाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सेनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें।

उन्होंने छत्र काल्याण निर्देशक डॉ. देवेंद्र सिंह दीहा को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर किश्वविद्यालय के केंपस अस्पताल के ट्रॉक्टरों की दीप को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहे ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित छत्र को



समय-समय पर सेनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निर्देशकों व अधिकारीहों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सेनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व शास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोगों में जागरूकता आए और कोरोना माहामारी के लापरवाही न बढ़ते। साथ ही विश्वविद्यालय के जाहरी अनुसंधान व कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रोफेसर चौ.आर. काम्बोज ने हुए कहा कि किसान चौधरी चरण सिंह होरायणा कृषि विश्वविद्यालय के परिवार का हिस्सा है और वह

विश्वविद्यालय किसानों के हित व उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने किसानों व अमज्जन से अपील करते कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अपने व परिजनों के बचाव के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा शास्क, सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन जैसी हिदायतों का विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने बताया कि इसी कही में विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों व जाहरीलयों में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय के मुख्य विभाग के अधिकारियों से भी संबंधी बरतते हुए विश्वविद्यालय परिसर में जाहरी व्यक्तियों के अनावश्यक आवागमन पर भी पांचवटी लगाने के लिए निर्देश दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	25.04.2021	--	--

पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक, अधिक से अधिक करें अध्ययन: कुलपति

■ विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। यहाँ के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज मुख्य अधिक्षित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए इनका ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इंसान किताबों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दैरान

पुस्तकालयाभ्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह से कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के शिक्षकों की लिखित पुस्तकों को सम्पादन-समय पर प्रदर्शित करें ताकि आने वाली शिक्षकों ने इनसे प्रेरणा ले और आने वाले इस दिवस की शुरुआत प्रथम बार 1995 में की गई थी। इस दैरान उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में सारांश के तौर पर ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी ज्ञान से ज्ञान इनकी तरफ आकर्षित हो सकें और प्रेरणा ले सकें। इसी के चलते कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	24.04.2021	--	--

सावधानी व नियमों की पालना ही महामारी का एकमात्र बचाव : कुलपति

हिसार/24 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से सावधानी व भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना करना ही मौजूदा समय में एकमात्र बचाव है। इसके लिए हम सभी को स्वयं सतर्क होते हुए दूसरों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। कुलपति कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को विश्वविद्यालय परिसर व

बाहरी केंद्रों पर इससे निपटने के लिए निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि विश्वविद्यालय के जिस भी कार्यालय में कोरोना संक्रमित कोई कर्मचारी मिलता है तो संबंधित कार्यालय को तुरंत सैनेटाइज करवाएं और सभी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहें। उन्होंने छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया को निर्देश दिया कि वे विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी कर्मचारी या उसके परिजन के कोरोना संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल

के डॉक्टरों की टीम को लगातार उस कर्मचारी या परिजनों से संपर्क बनाए रखने को कहें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही संबंधित क्षेत्र को समय-समय पर सैनेटाइज भी करवाते रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन, सामाजिक दूरी व मास्क के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाएं ताकि लोग कोरोना महामारी के लापरवाही न बरतें। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में सैनेटाइजेशन अभियान भी चलाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	24.04.2021	--	--

‘हकूमि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्वेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉर्पोरेशन्ट

■ वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रोफेसर श्री आर. कांबोज ने दी बधाई

सच कहूँ/संकीर्तन सिंहमार

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व अनवरत प्रयत्न एक बार फिर रंग लाए हैं। इस बार एक और उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्वेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉर्पोरेशन्ट मिले हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि वे मोड्यूल गणित एवं



सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर जोधी प्रसाद राय, डॉ. विनय कुमार और उनके सहयोगी डॉ. यंजू सिंह टोंक, डॉ. रम्पनवास, डॉ. सरिता रामी द्वारा देयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय को इन मोड्यूल के लिए कॉर्पोरेशन्ट मिला है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉर्पोरेशन्ट दिवस के अवसर पर वह संसार के

कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. यंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल को कोईडंग में कोई अपने

अन्तर इन मोड्यूल का कोई बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात: कांबोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री आर. कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि वह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गूर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है और भविष्य में भी इसी प्रकार टीम आवाना से काम करते रहने का आह्वान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैला हिसार न्यूज	25.04.2021	--	--

हकृति को ऑनलाइन सांरिष्यकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिले चार कॉर्पोरेशन, कुलपति ने दी वैज्ञानिकों को बधाई

हैला हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को मेहनत व अनवरत प्रयास एक बार फिर रंग लाई है।

इस बार एक ओर उपलब्ध विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांखिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए एक साथ चार कॉर्पोरेशन मिले हैं।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांखिकी विभाग के प्रोफेसर



ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एकिटव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉर्पोरेशन दिवस के अवसर पर यह संसार के कृषि अनुसंधान क्षेत्र के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर है आधारित गणित एवं सांखिकी विभाग के

प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एकिटव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। बत्तमान

समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

औसत के तुलनात्मक एवं किस्मों के वर्गीकरण में होंगे सहायक

मोड्यूल देखर करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कृषि शोध में किन्होंने औसतों के अंतर का महत्व पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक किस्मों को गुण व विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने में उपयोगी होंगे। इन मोड्यूल को सहायकता से शोधकर्ता अपने आंकड़ों का विश्लेषण ऑनलाइन माध्यम से बहुत ही सरलता से कर सकता है।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	23.04.2021	--	--

वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए हक्कुवि कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने दी बधाई

हक्कुवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड़यूल के लिए मिले चार कॉपीराइट

चार कॉपी बद्दू

दिसम्बर। चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की महान व अनन्यता प्राप्ति एवं ज्ञान वित्त रोग लड़ाई है। इस बार एक और उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है। वैज्ञानिकों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड़यूल के लिए एक साथ ज्ञान कीर्तन किया गया है।

वैज्ञानिक विज्ञान एवं मानविकी सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजेश विजय ने कहा कि ये मोड़यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. पी. शर्मा, डॉ. विनय कुमार और उनके सहकर्त्ताओं द्वारा भव्य संहित टोक, डॉ. यशविंदर, डॉ. सरित गुरी के द्वारा तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय के इन मोड़यूल के लिए कॉपीराइट दिया गया है, जो 23 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर यह संसद के कृपि अनुसंधान बोर्ड के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है।

ब्रानाइट सर्वेर अर्किटेक्चर विधि पर है आवासित



गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. पी. शर्मा ने कहा कि ये मोड़यूल एकित्र विश्लेषण के अवसर पर यह संसद के कृपि अनुसंधान बोर्ड के विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों के लिए एक तोहफा है। इन मोड़यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में

अंग्रेजी का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों वहाँ ही सरकारी सेवा कर सकते हैं। इन मोड़यूल वहाँ ही लाभदायक होते हैं। एक मोड़यूल का एक अंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों को बहुत साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहायक होता है। इसी की ओर में रखते हुए, यह सांख्यिकी विश्लेषण में भी सहायक सिद्ध

इन मोड़यूल को विकसित किया होगा।

इन मोड़यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव।

वैज्ञानिकों के विभागाधारी डॉ. बंजु रित्त टोक ने कहा कि इन मोड़यूल की कीमीटर में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं होता। अगर इन मोड़यूल का कोई बदलाव है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से विविध में अनुमति देनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात : प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कूलाहाई प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने इस उत्कृष्टि के लिए गौरव देने वाला एक वैज्ञानिकों की ओर से विश्वविद्यालय के लिए गौरव की जाए है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी जब है कि वे नियत कुछ बेहतर करने के लिए प्रयत्नमें रहते हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम गोपन हो रहा है और भवित्व में भी इसी प्रकार टीम भवन से कृप्त करते रहने का आस्थान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

सिटी प्लास न्यूज़

दिनांक

23.04.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

विश्व पुस्तक दिवस पर एचएयू की लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का आयोजन

सिटी प्लास न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज बड़ी रुचि विद्युतिभित्र थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें इसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा अध्ययन जरूरी है। पुस्तकों में जीवन का सार होता है। अगर कोई इसान किलावों को ही अपना सच्चा मार्गदर्शक मान ले तो इसमें जीवन की हर समस्या का समाधान भीजूद होता है। उन्होंने इस दिवस के मनाने के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि इस दिवस के अव्योजन का प्रमुख उद्देश्य पठन, प्रकाशन एवं कौपीणिट को बढ़ावा देना है। इस दीर्घ उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के बारे में मार्गशो के तौर पर औनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को परिचित



हिसार। पुस्तक प्रदर्शनी के दीर्घ पुस्तकों का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज एवं अन्य। कराने की अपील की ताकि विद्यार्थी जानकरी दी। उन्होंने बताया कि इस सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क ज्यादा से ज्यादा इनकी तरफ आकर्षित समय कोरोना महामारी के चलते केंद्र का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम हो सके और प्रेरणा ले सकें। इस व राज्य सरकार द्वारा जारी सभी में महाविद्यालयों के अधिदाता, अवसर पर पुस्तकालयाभ्युष्ट प्रो. हिंदूशत्रों का सख्ती से पालन किया जा निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कर्मचारी भीजूद रहे। इसी के चलते कार्यक्रम में



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम सिटी प्लास न्यूज़

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

उपलब्धि : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को ऑनलाइन सारित्यकी विश्लेषण मोड़्यूल के लिए मिले चार कॉर्पोरेशंट

वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए चौथरी चरण सिंह द्वितीया कृषि विश्वविद्यालय के कलपति प्रोफेसर डी.आर. कम्बोज ने दी बधाई



• [Home](#) • [About](#) • [Services](#) • [Contact](#) • [Blog](#)

१५८४। विश्वविद्यालय के कुल
प्रभागों

प्राचीनतम् वा कामकांडल के मध्य पर्याप्तता तथा कारण पापादि दाय /
इन्हें एक संस्कृत संग्रह लार्टिनेशन
विषय पर अधिकारी है। इन विषयोंका
एक उपचार इंटरव्यू के व्यापक से कोई
भी विविध अनुसन्धान में विकास
का विकास जड़े के लिए आ

अधिक जानता है। इसी को भावन में
रखते हुए इन घोटालों को विस्तृत

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता सोर्ट बदलाव।

जिसका उत्तराधिकारी के विवरण
हैं, यह दिन जो वहाँ ही पर
स्थग्न हो जाएगा वह एक अचि-
युक्त विषय होनी चाही तो साक्षा-
त् त यह स्थग्न वाले दिन बोला-
ई औ उसके विवरणों के अन्तर्गत
विषय विषय से विभिन्न हो जाएगा।

वात : द्रोपेन्स की ओर, काम्पोज विशिष्टताएँ के मुकाबले द्रोपेन्स वै. अर, बायोग्लोन ने इस उत्तराधिक के लिए योग्यता कार्य करने वाली पूरी दृष्टि को बदल दिया है। इस दृष्टि के अन्तर्गत विशिष्टताएँ के लिए एक भी वात है। उनमें से एक यह है कि विशिष्टताएँ के विविधताएँ पर भी जाह है कि ये विशिष्टताएँ एक संसार के लिए एक प्रभावी हैं। इससे विशिष्टताएँ का नया दृष्टिकोण हो गया है और विशिष्टताएँ भी अब एक टोक वालों से बच करती हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज़	23.04.2021	--	--

पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक : प्रो. काम्बोज

विश्व पुस्तक दिवस पर
एचएय की लाइब्रेरी में
प्रदर्शनी का आयोजन

यशस्वी हरियाणा न्यूज़
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यालय में विश्वविद्यालय के कुलपंथि प्रोफेसर ची.आर. चट्टमोज वर्तीर मुख्यालिपि वे। कार्यालय के संस्कृति कलां द्वारा उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मार्गदर्शक हैं, इसीलए ज्ञान से ज्ञान विद्या की ओर होता है। अगर कोई होलन किताबों को ही अन्य वस्तुओं की ओर होता है तो उसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद होता है। उन्होंने इस दीर्घ



पुस्तकालयभूष्यक प्रोफेसर वर्षानन गिरह ने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से ज्ञान से ज्ञान विश्वविद्यालय के लिखितों को पुस्तकों को विश्वस्त पुस्तकों को सम्बन्धित करने

प्रदर्शन करने लाल करने वाली पोहों इनसे प्रेरणा हो और आगे चढ़े।

उन्होंने पुस्तक लिखने में यहां अंतर्राष्ट्रीय एक ज्ञान विशेष विद्यालयों की समाज ही ताकि भवित्व में किसी प्रकार की विशेषज्ञियों वा ज्ञानों न करने चाहे। उन्होंने इस दिवस के मनाने के लिए एक परिवार का बहुत दूरे काल कि इस दिवस के आयोजन का अपूर्व जीर्ण पत्र, प्रकाशन एवं अंतर्राष्ट्रीय को बहाया देता है।

इस दिवस की शुरुआत प्रधान चार 1995 में की गई थी; इस दीर्घ उन्होंने विश्वविद्यालय के लिखितों को पुस्तकों के चारों ओर सारांश के लौट पर अंतर्राष्ट्रीय प्रधान से विश्वार्थियों को गर्वित कराने

की अर्दीत की ताकि विद्यार्थी ज्ञान से ज्ञान हानिकारक आवश्यक हो जाके और इराचा हो सकें।

इस दिवस पर पुस्तकालयभूष्यक को प्रोफेसर वर्षानन गिरह ने मुख्यालिपि का व्यापार ज्ञान विद्या का अवसर और इस प्रदर्शनी के बारे में विश्वारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बहाया कि इस समय कोरोन ज्ञानों के बालों को दें व उन्हें संरक्षण द्वारा जारी सभी विद्यार्थी का ज्ञान से ज्ञान किया जा सका है। इसी के बालों का विद्यालय में सामाजिक दूरी, सेवेताजीवन व मानव का विशेष व्यवहार रखा गया। कार्यालय में विश्वविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारी एवं पुस्तकालय के कार्यालयी गौदूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज़	23.04.2021	-	-

हक्कीय को अंग्रेज़ोंने सांख्यिकी विद्येषण
पोइड्युल के लिए पिले चार कॉर्पोरेशन



कलाकृत संग्रह अविद्युतीकृत रिपोर्ट पर है अधिकारित
रिपोर्ट पर अधिकारित विवर के लिए इसकी सहायता की जाती है। इसका नियम यह है कि अधिकृत विवर विवर की विवरण विवरण की जाती है। यहां पर अधिकारित विवर की अधिकृत विवरण की जाती है। यहां पर अधिकारित विवर की अधिकृत विवरण की जाती है। यहां पर अधिकारित विवर की अधिकृत विवरण की जाती है।

इस लोहपुर में वही कार यात्रा की है जहाँ पर
विनाश का विनाशक विनाशक है, यही विनाशक विनाशक
जो लोहपुर की विनाशक विनाशक है, वही कार यात्रा
जो लोहपुर का विनाशक विनाशक है, वही दूसरी विनाशक विनाशक
जो लोहपुर का विनाशक विनाशक है, वही कार यात्रा है।